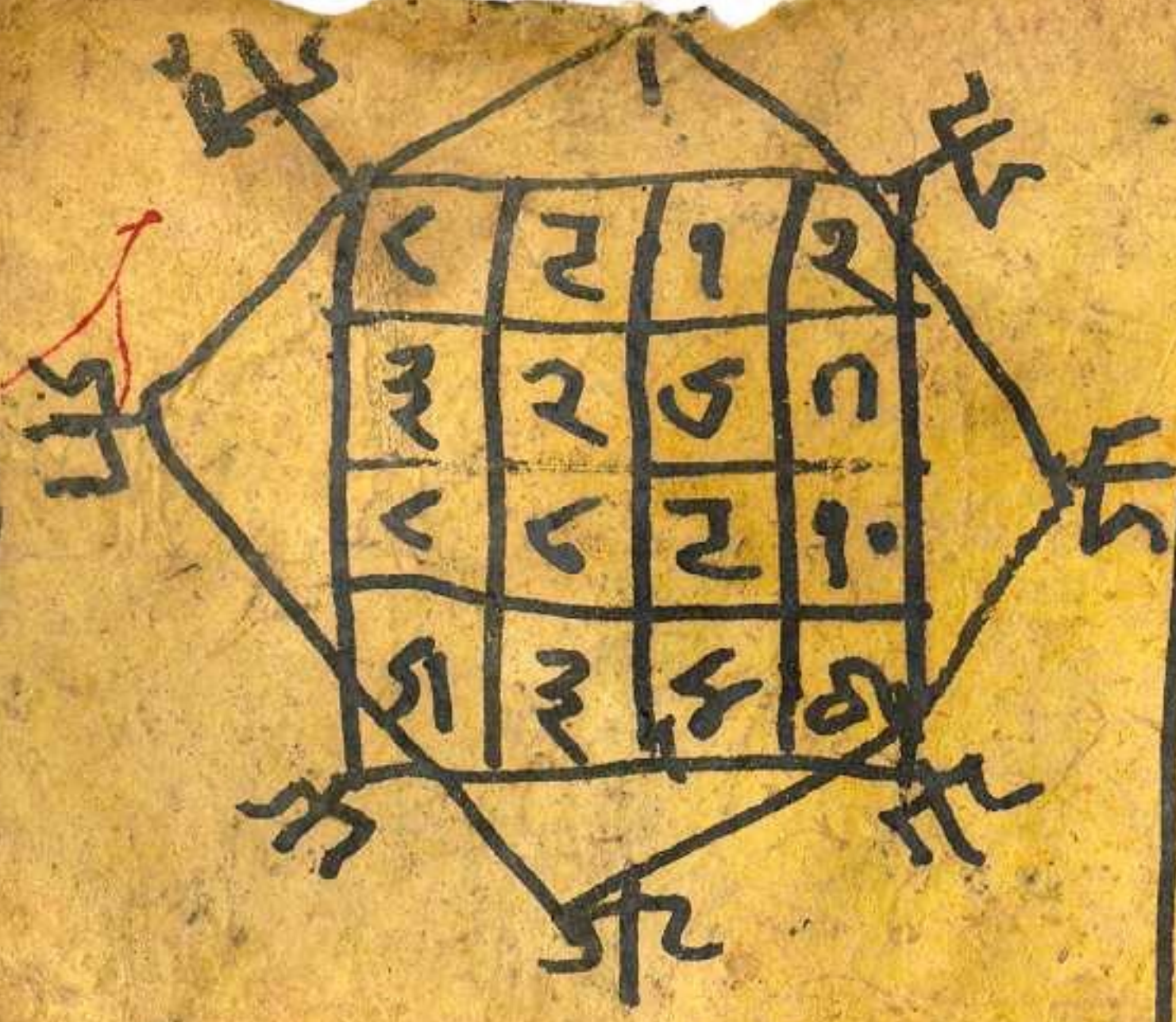


1905
I

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

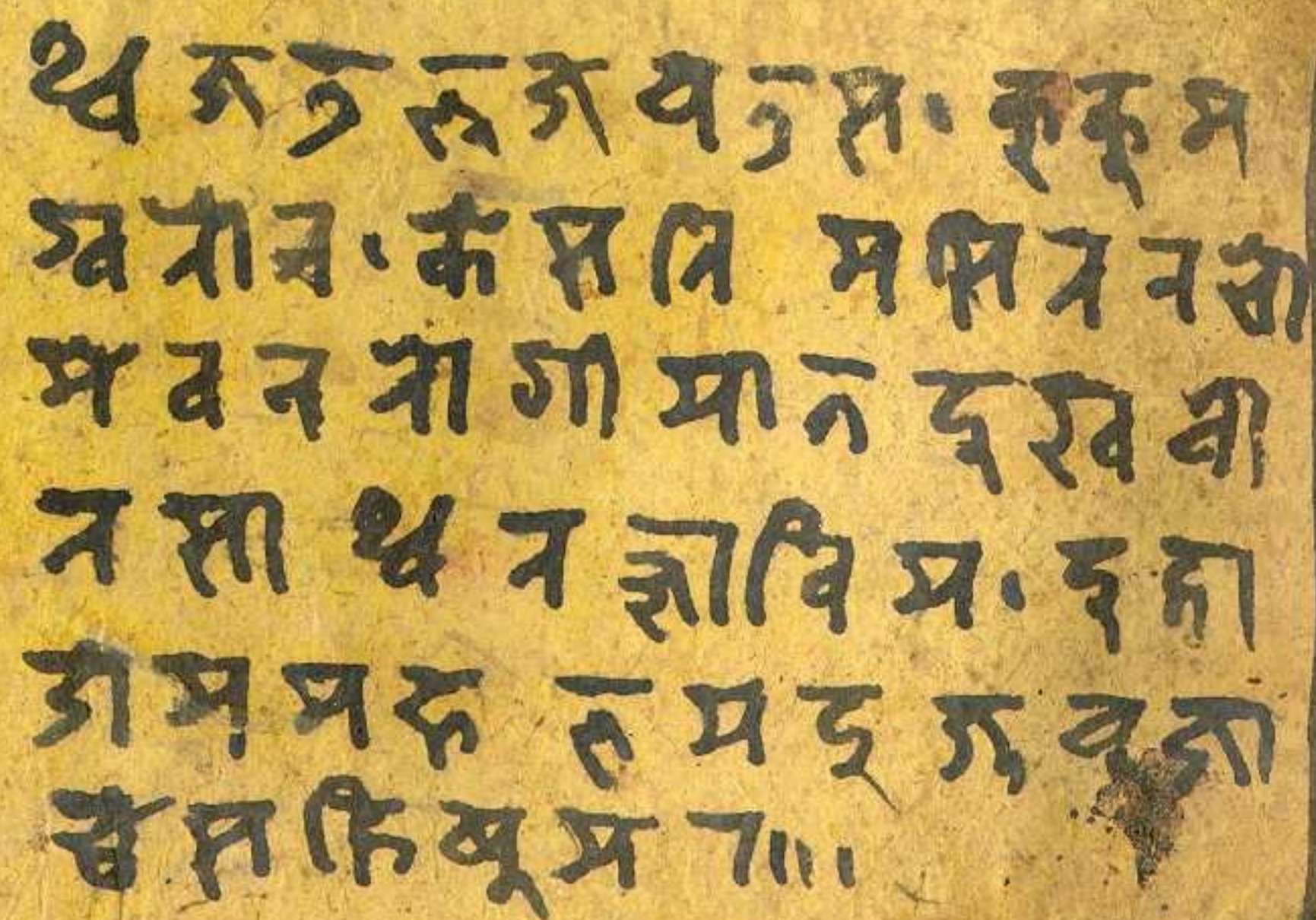
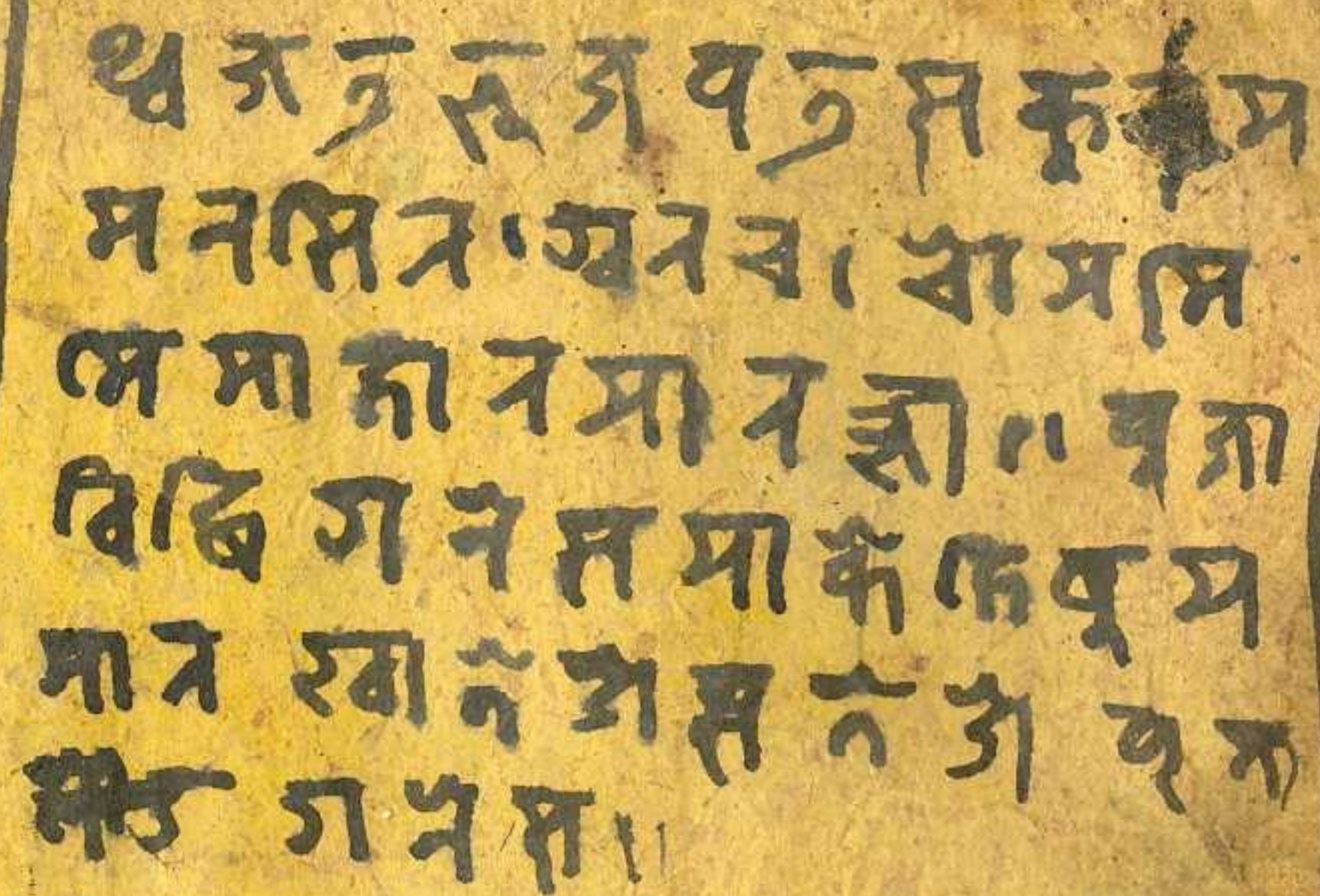
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



थं व्रतं व्रतं व्रतं व्रतं व्रतं
मनः। ज्ञानं च न चापि यथा
हस्तं न स्यात्तावत्तु
जाकं वसं व्रतं सवत्ताकं
यथा वसं माय सूर



थं व्रतं व्रतं व्रतं व्रतं व्रतं
मनः। ज्ञानं च न चापि यथा
ज्ञानं च न चापि यथा
मकः। कन्या न ज्ञा यत्ताविधि
हि यत्ता मात्र विधि स्यात्ता
ज्ञा व्रतं व्रतं माय कस्तन





क क स य व र क व उ री सा य
क सा य क वा न उ र सा र न ल ॥



क सा य क वा न उ र सा

क क स य व र क व उ री सा य
क सा य क वा न उ र सा र न ल ॥

क क स य व र क व उ री सा य
क सा य क वा न उ र सा र न ल ॥

क क स य व र क व उ री सा य
क सा य क वा न उ र सा र न ल ॥

क क स य व र क व उ री सा य
क सा य क वा न उ र सा र न ल ॥

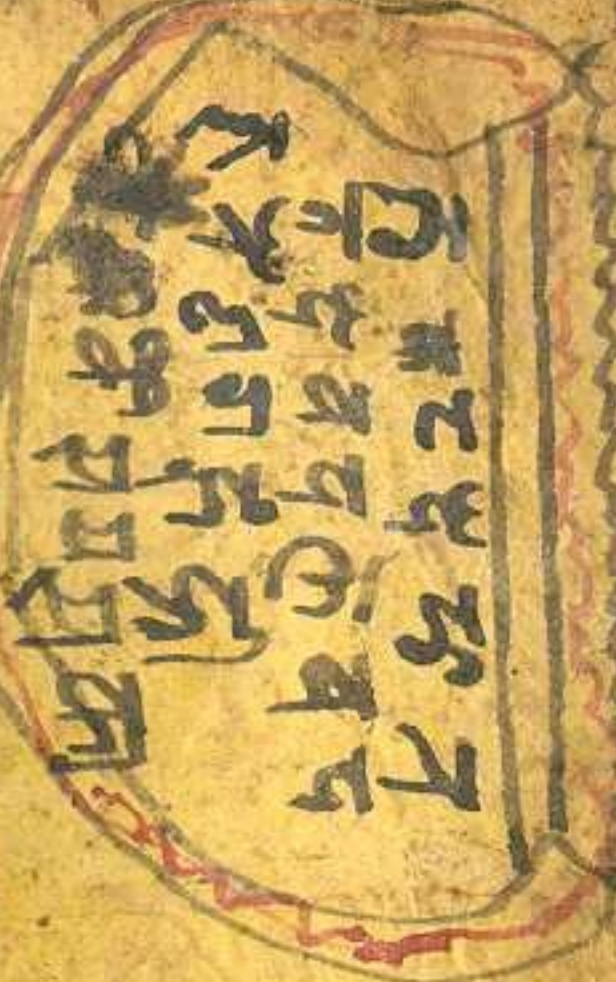
क क स य व र क व उ री सा य
क सा य क वा न उ र सा र न ल ॥

क क स य व र क व उ री सा य
क सा य क वा न उ र सा र न ल ॥

क क स य व र क व उ री सा य
क सा य क वा न उ र सा र न ल ॥

क क स य व र क व उ री सा य
क सा य क वा न उ र सा र न ल ॥

क क स य व र क व उ री सा य
क सा य क वा न उ र सा र न ल ॥



१ ॐ श्रीगणेशाय नमः

॥ यद्वा ३१ गायत्री विविचिता यात्र मया य १००० मधुकमावसा यमदुमादोगूत

॥ यमसात्र ॥

२ ॐ श्रीगणेशाय नमः

॥ यद्वा ३१ गायत्री विविचिता यात्र मया य १००० मधुकमावसा यमदुमादोगूत

२ ॐ श्रीगणेशाय नमः

॥ यद्वा ३१ गायत्री विविचिता यात्र मया य १००० मधुकमावसा यमदुमादोगूत

२ ॐ श्रीगणेशाय नमः

॥ यद्वा ३१ गायत्री विविचिता यात्र मया य १००० मधुकमावसा यमदुमादोगूत

ॐ श्रीगणेशाय नमः

॥ यद्वा ३१ गायत्री विविचिता यात्र मया य १००० मधुकमावसा यमदुमादोगूत



ॐ श्रीगणेशाय नमः
॥ यद्वा ३१ गायत्री विविचिता यात्र मया य १००० मधुकमावसा यमदुमादोगूत

ॐ श्रीगणेशाय नमः

॥ यद्वा ३१ गायत्री विविचिता यात्र मया य १००० मधुकमावसा यमदुमादोगूत



[illegible]

थु म नु सक ता मान ज्ञि डा ज्ज नि व न नो क . द अ ह न . म वे . दा कि न . सा कि
 नि म नु ह न . जा व नि स अ आ य या न ज्ज नि वि रे म नु थ ॥
 उन म व द मू नि व द रु नि उ ज वे रे व रु ग न ज्ज को ज न व र नि द्वा रु रु
 न सा ता ॥ थु म नु ने का र व न म म क गू न स का मा रु व र व न न न क
 या थ म्मा रु मा का थ म ॥ म र व थ न ५ वि कू न ३ ज्ज का अ न क ज्ज व
 च न मा चू न मा रु रु ॥ वा ॥ ॥ उन म ज्जा स थ र सा ल
 नि ॥ नि र का मा रि व रु रु ला नि सा जा ग्गा ॥ उ द्रि उ कि थ म नु वा ॥ ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is written in a cursive style and is organized into several lines. The script is dark and appears to be on aged paper.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is written in a cursive style and is organized into several lines. The script is dark and appears to be on aged paper.

Vertical text on the right margin, likely a title or a reference. The text is written in Devanagari script and is organized into several lines.

Handwritten text in Devanagari script, top line of the right page.

Handwritten text in Devanagari script, second line of the right page.

Handwritten text in Devanagari script, third line of the right page.

Handwritten text in Devanagari script, fourth line of the right page.

Handwritten text in Devanagari script, fifth line of the right page.

Handwritten text in Devanagari script, sixth line of the right page.

Handwritten text in Devanagari script, seventh line of the right page.



Vertical handwritten text in Devanagari script on the left margin of the right page.

Handwritten text in Devanagari script, first line of the left page.

Handwritten text in Devanagari script, second line of the left page.

Handwritten text in Devanagari script, third line of the left page.

Handwritten text in Devanagari script, fourth line of the left page.

Handwritten text in Devanagari script, fifth line of the left page.

Handwritten text in Devanagari script, sixth line of the left page.

Vertical handwritten text in Devanagari script on the left margin of the left page.



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



323m

कुक्कु म म्मु व दै नः क सुमलि न त र य
- र स धा म कु ए म य को य द ता ऊ म
रु गा द्र मा न द मि व थ रु र द ग सु ते ॥

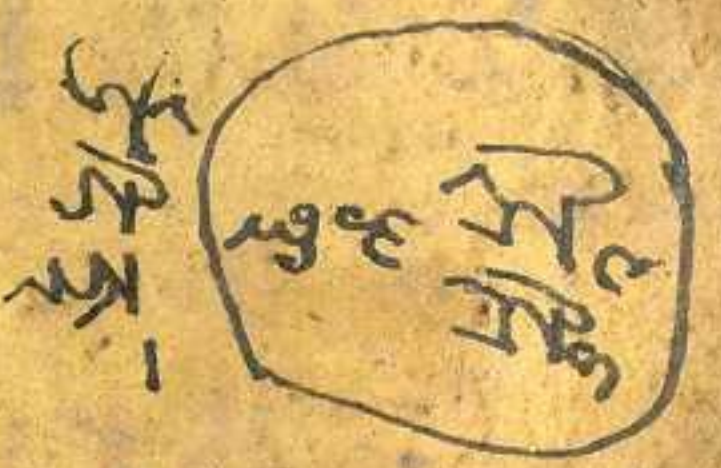
Handwritten text in Tamil script, likely a religious or philosophical manuscript. The text is arranged in several lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The handwriting is cursive and somewhat faded.

- धर्मं कुर्वन् नृणां
नृकृतं स्यात्तदा
विश्वं यथावदर्थं
सोऽयं नृपतिर्लोक-
जित्वा त्रैलोक्यं





अथ कलः कुकुमः श्वेतः वज्रः च
 रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः
 नो गच्छः शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः
 शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः
 शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः



अथ कलः कुकुमः श्वेतः वज्रः च
 रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः



अथ कलः कुकुमः श्वेतः वज्रः च
 रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः
 नो गच्छः शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः
 शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः
 शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः



अथ कलः कुकुमः श्वेतः वज्रः च
 रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः रश्मिः
 नो गच्छः शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः
 शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः
 शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः शशाङ्कः



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय